६०२/२१५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १५ जून, २०१४)

(समय : दोपहर २:०० से ५:००) **सत्संग प्रवीण - २**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : १००**

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवीण - प्रथम संस्करण, अप्रैल - २००३

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''उन्होंने हमारी बहुत बड़ी रक्षा की है ।'' (७९)

२. ''सूर्यवंशी तो नहीं हुए ?'' (१०-११)

३. ''सच्चे सत्संगी आगे आओ, आज तो सभी को त्यागी करना है ।'' (९३)

प्र.२ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) [९]

१. अक्षरब्रह्म चिरंजीव है । (७५-७६)

२. टरोरो में जीवों को भगवान के दिव्य प्रकाश की ओर प्रेरित किया । (१०३)

३. गृहस्थ पुरुष अपनी माता, बहन व पुत्री के साथ भी एकांत में न रहें । (१)

४. श्रीजीमहाराज ने मछियाव का त्याग किया । (१९)

प्र.३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) [८]

१. आज्ञा (७०-७२) **अथवा** २. संप्रदाय के तीर्थस्थान (२४-२५)

३. रामबाई (७७-७८) **अथवा** ४. बंधिया के डोसाभाई (८९-९१)

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [६]

१. वचनामृत पुस्तकरूप में संकलित किया गया तब लेखक-संपादकों ने क्या किया ? (३५)

२. तीसरी मानसी पूजा कब होती है ? (४६)

३. साधुओं को गृहस्थ के घर कब जाना चाहिए ? (८)

४. सत्संगी भक्तों को किसका संग्रह करना चाहिए ? (२)

५. अफ्रीका में सत्संग के प्रणेता कौन थे ? (१०१)

६. कल्यादास ने कहाँ और किस के पास वर्तमान धारण किये ? (१२)

प्र.५ ''वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण - ५४'' **का निरूपण लिखिए ।** (६१-६२) [५]

प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । [५]

विषय : सुरा खाचर । (२५)

१. सुरा खाचर लोया गाँव के थे । **२.** चोर-लूटेरों सूराखाचर के जेवर चूरा के ले गये । **३.** संकल्प करो कि उनमें से पूरा भाग भगवान स्वामिनारायण की सेवा में समर्पित करेंगे । **४.** श्रीजीमहाराज दो मास तक लोया रहे । **५.** हमारे जति आए हैं । **६.** सुराखाचर को जेतपुर गाँव के ठाकुर साहब ने निमंत्रण दिया । **७.** मेरी बेटी बीमार हो गई है, और दवाई लेने आई हूँ ।'' **८.** प्रभु, आप तो गरीब निवाज है । **९.** लोगों ने ६० मन बैंगन तथा १२ मन घी लोया की ओर रवाना किया । **१०.** लोगों ने ५० मन बैंगन तथा १२ मन घी लोया की ओर रवाना किया ।

केवल नंबर :- ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्र.७ निम्नलिखित पंक्ति को पूर्ण कीजिए । [८]

१. वहाला तारे जमणे ..... शशीकला क्षीण छे रे लोल । (६९)

२. काल माया पुरुष ..... अहं नमामि । (१०)

३. पचरंगी पुष्पनां ..... शोभे घणेरां । (१७)

४. काम क्रोध ने लोभ ..... लेज्यो हरि तेह । (८१-८२)

प्र.८ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । [६]

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री सिद्धेश्वराय नमः ..... ॐ श्री प्रशान्तमूर्तये नमः । (५०)

२. दिव्याकृतित्व ..... शरणं प्रपद्ये ॥ (२७)

३. समदुःखसुखः ..... स उच्येत ॥ (९९) - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

विभाग-२ : गुणातीतानंद स्वामी -प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००२

प्र.९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''जो स्त्री-पुरुष के भाव से परे थे ।'' (३६) २. ''आप उनकी सेवा-सत्संग करेंगे तो आपका काम बन जाएगा ।'' (४६)

३. ''देखो, ये हमारे तिलक !'' (३२)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवीण-२**'' परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) **[९]**

१. पार्षद के घास लेकर लौटने के बाद बारिश प्रारंभ हो गई । (५२)

२. गुणातीतानंद स्वामी को खड़े होकर देखकर मुक्तानंद स्वामी विस्मित रह गए । (२२)

३. त्यागियों के लिए सामान्य मुमुक्षुओं प्रेरणा योग्य और दर्शनीय थे । (७०)

४. आचार्य महाराज ने आदेश दिया कि अब तो सभा में स्वामी ही बातें करेंगे । (६०)

प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **[८]**

१. मूर्ति में आसक्त (३७-३८) २. सत्संग में अक्षरब्रह्म स्वरूप का प्रवर्तन (५४-५६) ३. स्वामी उपशम स्थिति में (६४-६५)

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[६]**

१. त्वचा और नासिका में कौन से काँटे हैं ? (६७)

२. स्वामी के कृपापात्र हरिभक्त कौन कौन थे ? (८०)

३. जूनागढ़ जाते समय स्वामी को पाथेय बाँध देते हुए श्रीजीमहाराज ने कौन सी साखी कही ? (४३-४४)

४. स्वामी कहाँ ब्रह्मधाम में सिधारे ? (८७)

५. स्वामी ने किसके टीका की बरोबरी करने को कहा ? (६०)

६. देवानंद स्वामी सेवा से प्रसन्न होकर गुणातीतानंद स्वामी को क्या देने को तैयार हुए ? (३४-३५)

प्र.१३ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **[४]**

१. गुणातीत बातें (५३-५४) २. मूलजी की भजन करने की रुचि (४-५) ३. सेवावृत्ति (२९-३०)

प्र.१४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. प्रागजी भक्त (७९)

(१) ☐ पंद्रह वर्ष तक गोपालानन्द स्वामी का समागम ।

(२) ☐ 'स्वामी, आप मुझे मोक्ष प्रदान करें ।

(३) ☐ साढ़े तीन वर्ष तक मन्दिर आदि की सेवा में देह की परवाह नहीं की ।

(४) ☐ नौ दिन तक अखंड ध्यान ।

२. गुणातीतानन्द स्वामी को जूनागढ़ के मन्दिर के महंतपद पर नियुक्त कर उसकी सहायता में किस किस को रखा ? (४५)

(१) ☐ गोपालानन्द स्वामी (२) ☐ अचिंत्यानन्द स्वामी

(३) ☐ परमानन्द स्वामी (४) ☐ अखंडानन्द ब्रह्मचारी

३. मूलजी शर्मा का गृहत्याग और दीक्षा । (१४)

(१) ☐ इस लोक में ब्रह्मतेज सूख गया है । (२) ☐ आप अपना घर जलाकर आए हैं ?

(३) ☐ देह की वृत्ति एक है, भावे तहाँ लगाओ । (४) ☐ संवतू १८६८ के पोष महीने में श्रीजीमहाराजने दीक्षा दी ।

४. गुणातीतानंद स्वामी के चार प्रश्न । (२७)

(१) ☐ भगवान का अखंड ध्यान करना । (२) ☐ कीर्तन-भक्ति करना ।

(३) ☐ बीमारों की सेवा करना । (४) ☐ बातें करना ।

* * *

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ६ जुलाई, २०१४ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/index.htm